BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS

COMPILED BY MEDIA CELL (09.10.2024)

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE : 09.10.2024, PAGE-04

पिछले वर्ष 200 रुपये लिया गया था रजिस्ट्रेशन शुल्क, अब 600 रुपये का पत्र जारी

स्नातक में पिछले सत्र में नामांकित छात्रों से वसूला जाएगा रजिस्ट्रेशन का बकाया शुल्क

बीआरबीएयू

- पिछले ही वर्ष से स्नातक में लागू किया गया है सेमेस्टर सिस्टम, सीबीसीएस में छह सौ रुपये है रजिस्ट्रेशन का शुल्क

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में पिछले सत्र में नामांकन लेने वाले स्नातक के विद्यार्थियों से रजिस्ट्रेशन का बकाया शुल्क वसूला जाएगा. इसको लेकर विश्वविद्यालय की ओर से सभी कॉलेजों को पत्र भेजा गया है. तीन वर्षीय स्नातक कोर्स में रजिस्ट्रेशन का शुल्क 200 रुपये निर्धारित था. सीबीसीएस सिस्टम लागू होने के बाद शुल्क 600 रुपये किया गया. विश्वविद्यालय ने आनन-फानन में सीबीसीएस सिस्टम तो लागू कर दिया, लेकिन रजिस्ट्रेशन का शुल्क अपडेट नहीं किया गया. इस वर्ष छात्रों से छह सौ रुपये रजिस्ट्रेशन का शुल्क लिया गया. इसके बाद जब पिछले सत्र के शुल्क का याद आया तो विवि ने कॉलेजों को पत्र भेज दिया. प्राचार्यों को भेजे गये पत्र में कहा गया है कि सत्र 2023-27 के विद्यार्थियों का शेष रजिस्ट्रेशन शुल्क 30 अक्टूबर तक जमा करा दें.छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के यूएमआइएस को भेजना है.

1.42 लाख स्टूडेंट्स का हुआ था नामांकन : विश्वविद्यालय में पिछले सत्र में 1.42 लाख छात्र-छात्राओं का नामांकन लिया गया था. इस अनुसार पिछले सत्र के लिए करीब 5.68 करोड़ रुपये कॉलेजों से बकाया फी वसूला जाएगा. बता दें कि राजभवन की ओर से पिछले ही वर्ष सीबीसीएस के लिए फी स्ट्रक्चर से लेकर अन्य फी का पूरा विवरण उपलब्ध करा दिया था. इसके बाद भी उस समय विश्वविद्यालय ने नयी फी व्यवस्था को प्रभावी नहीं बनाया. बिना तैयारी कोर्स को लागू करने के कारण विश्वविद्यालय को फी का नुकसान तो हुआ ही, साथ ही छात्र-छात्राओं को कई विषयों की पढ़ाई भी ठीक से नहीं करायी गयी. नया कोर्स होने के कारण किसी प्रकार स्टडी मेटेरियल देकर कोरम पूरा किया गया.

अबतक नहीं मिल सकी स्लिप

पिछले सत्र में नामांकित छात्र-छात्राओं को अबतक रजिस्ट्रेशन का स्लिप नहीं दिया जा सका. पहले पेपर का शॉर्टेज, फिर प्रिंटर में गड़बड़ी व अन्य कारणों से इसे टाला जाता रहा. अब दूसरा सत्र शुरू हो गया है. ऐसे में दो सत्र के स्टूडेंट्स को एक साथ रजिस्ट्रेशन स्लिप दिया जाएगा. विश्वविद्यालय का अपना प्रिंटिंग प्रेस बंद होने के कारण इन कार्यों के लिए भी एजेंसी पर निर्भर रहना पड़ रहा है. प्रत्येक वर्ष बजट में प्रिंटिंग प्रेस को शुरू करने के लिए राशि का प्रस्ताव भेजा जाता है, पर इसे शुरू करने की कवायद अबतक नहीं की गयी.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE : 09.10.2024, PAGE-06

एमएड की प्रवेश परीक्षा 20 को

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू में एमएड की प्रवेश परीक्षा 20 अक्टूबर को होगी। परीक्षा विभाग ने मंगलवार को परीक्षा का शेड्यूल जारी किया। परीक्षा में 500 विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा के लिए विवि परीक्षा हॉल को केंद्र बनाया गया है। परीक्षा सुबह 11 से 1 बजे तक होगी। एमएड में 150 सीटें हैं। बीआरएबीयू में एमएड के तीन कॉलेज हैं।

गणित में 40 व उर्दू में 11 की पोस्टिंग

मुजफ्फरपुर। विश्वविद्यालय सेवा आयोग की तरफ से चयनित गणित और उर्दू विभाग के शिक्षकों की पोस्टिंग मंगलवार को विवि प्रशासन ने कर दी।

गणित में 40 और उर्दू में 11 सहायक प्राध्यापकों की पोस्टिंग विभिन्न कॉलेजों में हुई है। शिक्षकों की पोस्टिंग से कॉलेजों में शिक्षकों की कमी दूर होगी। इससे पहले फिलॉस्फी और साइकोलॉजी विषय के शिक्षकों की पोस्टिंग हुई थी।

अंग्रेजी विषय में एमडीसी का सिलेबस तैयार

- अबतक एमडीसी का नहीं था सिलेबस
- एमडीसी की जगह एमआईसी पढ़ते थे

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू में स्नातक का संशोधित सिलेबस तैयार हो गया है। इसके तहत अंग्रेजी विषय में मल्टी डिसिप्लिनयरी विषय का सिलेबस बनाया गया है। अबतक अंग्रेजी में एमडीसी का सिलेबस नहीं था। छात्र एमडीसी की जगह एआईसी (माइनर) विषय ही पढ़ रहे थे।

इसके अलावा दूसरी कई छोटी चीजों का बदलाव किया गया है। विवि की तरफ से स्नातक तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर के सिलेबस में संशोधन किया गया है। केमेस्ट्री के अलावा बाकी विषयों में संशोधन कर दिया गया है। पहले जारी सिलेबस में सिर्फ अध्याय के नाम लिखे थे। उनका पूरा ब्योरा नहीं दिया गया था। संशोधित सिलेबस में सभी अध्याय का पूरा ब्योरा दिया गया है। इसके अलावा पुराने सिलेबस में सवालों को बनाने में काफी कठिनाई होती थी, संशोधित सिलेबस में इसे भी ठीक कर दिया गया है। स्नातक के सिलेबस के अलावा पीएचडी के लिए विवि की तरफ से जारी नीति में भी बदलाव किया जानेवाला है।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE : 09.10.2024, PAGE-06

मूल्यांकन में लगे शिक्षक लेंगे क्लास

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू में कॉपियों का मूल्यांकन कार्य करने वाले शिक्षक ऑनलाइन कक्षा लेंगे। इसका निर्देश विवि के डीएसडब्ल्यू प्रो. आलोक प्रताप सिंह ने सभी कॉलेज के प्राचार्यों और विभागाध्यक्षों को दिया है।

डीएसडब्ल्यू ने पत्र में निर्देश दिया है कि जो शिक्षक मूल्यांकन कार्य में लगे हैं, वह अपने कॉलेज और विभाग में छात्रों की ऑनलाइन कक्षा लें। छात्रों की कक्षा किसी भी सूरत में छूटनी नहीं चाहिए। डीएसडब्ल्यू ने सभी पीजी विभागों के सत्र 2018-20 में हुए दाखिले की रिपोर्ट भी मांगी है। रिपोर्ट नैक मूल्यांकन को लेकर मांगी गई है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE : 09.10.2024, PAGE-06

सभी कॉलेजों के प्राचार्यों को भेजा गया पत्र

स्नातक सत्र 23-27 के छात्रों से बकाया शुल्क वसूलेगा विवि

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विवि की गलती का खामियाजा कॉलेज और छात्र भुगतेंगे। मामला रजिस्ट्रेशन शुल्क का है। 3 वर्षीय स्नातक कोर्स के लिए 200 रुपए रजिस्ट्रेशन शुल्क निर्धारित था, जबकि राजभवन ने 4 वर्षीय स्नातक कोर्स के लिए 600 रुपए रजिस्ट्रेशन शुल्क तय किया है। पिछले साल विवि ने पुराने शुल्क पर ही छात्रों का रजिस्ट्रेशन कर लिया। जब गलती समझ आई, तो शेष राशि जमा कराने के लिए फरमान जारी किया गया है। राजभवन की ओर से 4 वर्षीय स्नातक कोर्स के लिए 15 मई 2023 को नोटिफिकेशन जारी किया गया था। राजभवन से अप्रूव्ड ऑर्डिनेंस-रेगुलेशन में 4 वर्षीय स्नातक कोर्स की फीस स्ट्रक्चर के साथ ही परीक्षा और रिजल्ट सहित सभी जानकारी दी गई है। इसमें विवि रजिस्ट्रेशन शुल्क 600 रुपए तय किया गया है। इसके बाद भी विवि के स्तर पर बड़ी चूक हो गई। एडमिशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विवि के स्तर से 21 सितंबर 2023 को रजिस्ट्रेशन के लिए नोटिफिकेशन किया गया, जिसमें शुल्क 200 रुपए शुल्क बताया गया। इसी के आधार पर कॉलेजों ने शुल्क जमा किया। परीक्षा विभाग की ओर से सत्र 2024-28 में रजिस्ट्रेशन शुल्क 600 रुपए लेने का प्रस्ताव परीक्षा विभाग की ओर से रखा गया, जिस पर सितंबर में एकेडमिक काउंसिल की मंजूरी ली गई। अब परीक्षा नियंत्रक ने सभी प्राचार्यों को पत्र भेजकर सत्र 2023-27 का बकाया रजिस्ट्रेशन शुल्क 30 अक्टूबर तक जमा कराने को कहा है। वहीं, आरटीजीएस या नेफ्ट की सत्यापित कॉपी स्टूडेंट्स की लिस्ट के साथ 13 नवंबर तक यूएमआईएस कार्यालय में उपलब्ध कराना है। विवि में पिछले साल राजभवन के दबाव पर आधी-अधूरी तैयारियों के साथ ही हड़बड़ी में 4 वर्षीय स्नातक कोर्स लागू कर दिया गया। इसका नुकसान स्टूडेंट्स तो उठा ही रहे हैं, विवि को भी 5.68 करोड़ रुपए का घाटा लग गया। नए कोर्स के ऑर्डिनेंस-रेगुलेशन में राजभवन की ओर से 600 रुपए यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन फी निर्धारित किया गया है, जबकि विवि ने सत्र 2023-24 में एडमिशन लेने वाले 1.42 लाख स्टूडेंट्स का रजिस्ट्रेशन फीस 200 रुपए के हिसाब से ही लिया।

सवाल: रजिस्ट्रेशन का बकाया 5.68 करोड़ किसके पास

रजिस्ट्रेशन फीस का बकाया 5.68 करोड़ किसके पास है, यह बड़ा सवाल है। इसको लेकर आने वाले दिनों में कॉलेजों में विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। विवि की ओर से कॉलेजों को पत्र भेजा गया है। कहा जा रहा है कि कॉलेजों ने छात्रों से 600 रुपए शुल्क लिया है, जबकि 200 रुपए जमा किया है। कुछ कॉलेजों का कहना है विवि के नोटिफिकेशन के अनुसार छात्रों से 200 रुपए ही लिए गए हैं। शेष 400 रुपए जमा कराने को फिर से छात्रों को सूचना देनी होगी।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE : 09.10.2024, PAGE-02

रजिस्ट्रेशन मद में 5.68 करोड़ रुपये वसूलेगा विश्वविद्यालय

पिछले वर्ष स्नातक में 1.42 लाख छात्र-छात्राओं पर बकाया

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय अब कालेजों से रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में बकाया राशि की वसूली करेगा। सत्र 2023 -27 में करीब 1.42 लाख विद्यार्थियों के स्नातक कोर्स में नामांकन के एवज में विश्वविद्यालय को करीब 5.68 करोड़ राशि प्राप्त होगी। यानी एक वर्ष बाद विश्वविद्यालय पिछले वर्ष हुए रजिस्ट्रेशन के शुल्क की वसूली करने जा रहा है। इसके लिए परीक्षा विभाग की ओर से सभी अंगीभूत से लेकर संबद्ध कालेजों के प्राचार्य को पत्र भेजा गया है। परीक्षा नियंत्रक डा. सुधाकांत पासवान ने कहा है कि 30 अक्टूबर तक कालेज विश्वविद्यालय के खाते में बकाया रजिस्ट्रेशन शुल्क का भुगतान सुनिश्चित करेंगे। वहीं जमा की गई राशि की सत्यापित कापी भी यूएमआइएस कार्यालय में जमा करानी है। दरअसल बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पिछले वर्ष चार वर्षीय स्नातक कोर्स को आनन- फानन में लागू किया गया। आधी- अधूरी तैयारियों के बीच कोर्स लागू होने के कारण विश्वविद्यालय ने रजिस्ट्रेशन मद में पुरानी दर पर ही कालेजों से शुल्क मांगा। राजभवन की ओर से चार वर्षीय स्नातक कोर्स में रजिस्ट्रेशन के लिए प्रति छात्र 600 रुपये शुल्क का निर्धारण किया गया था। विश्वविद्यालय की ओर से इस दिशा में कोई स्पष्ट पत्र कालेजों को नहीं भेजे जाने के कारण कालेजों ने इस अवसर का फायदा उठाया। कालेजों ने छात्र-छात्राओं से प्रति विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन मद में 600 रुपये लिए, लेकिन विश्वविद्यालय के खाते में रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में प्रति छात्र महज 200 रुपये की दर से ही राशि जमा कराई। मौजूदा सत्र में चार वर्षीय स्नातक कोर्स में नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नामांकित छात्र-छात्राओं के रजिस्ट्रेशन के लिए अधिसूचना जारी की गई है। इसमें रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में प्रति छात्र 600 रुपये जमा करने की बात कही गई है। इसके बाद परीक्षा विभाग ने पिछले वर्ष हुए रजिस्ट्रेशन के एवज में प्रति छात्र 600 रुपये की दर से शुल्क जमा करने का निर्देश जारी किया है। इसमें राजभवन के निर्देश का हवाला दिया गया है। पिछले वर्ष पुरानी दर पर विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन होने के कारण विश्वविद्यालय को करीब 5.68 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। 1.42 लाख विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन के बदले विश्वविद्यालय को करीब 2.84 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। दूसरी ओर 600 रुपये रजिस्ट्रेशन शुल्क के हिसाब से करीब 8.52 करोड़ रुपये की आय होनी चाहिए थी। यानी पिछले वर्ष विश्वविद्यालय को रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में 5.68 करोड़ का घाटा हुआ था। कालेजों का कहना है कि पिछले सत्र में चार वर्षीय स्नातक कोर्स लागू कर दिया गया, लेकिन विश्वविद्यालय स्तर से टीडीसी स्तरीय कोर्स का रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा करने की बात कही गई थी।

600 रुपये वसूल कालेजों ने विश्वविद्यालय को भेजी प्रति छात्र 200 रुपये की राशि

विश्वविद्यालय ने कोर्स लागू किया चार वर्षीय स्नातक, कालेजों में रजिस्ट्रेशन हो गया पुराने कोर्स का

डा राजेश्वर कुमार बने उप निदेशक

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: डा. राजेश्वर कुमार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के यूजीसी मदन मोहन मालवीय टीचर ट्रेनिंग सेंटर का उप निदेशक बनाया गया है। रजिस्ट्रार डा. अपराजिता कृष्णा ने मंगलवार को निर्देश जारी किया है। डा. राजेश्वर एलएस कालेज के हिंदी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE : 09.10.2024, PAGE-06

डॉ. राजेश्वर एमएमटीटीसी के डिप्टी डायरेक्टर बने

मुजफ्फरपुर| बीआरए बिहार विवि के यूजीसी मदन मोहन मालवीय टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एकेडमिक स्टाफ कॉलेज) का डिप्टी डायरेक्टर डॉ. राजेश्वर कुमार को बनाया गया है। डॉ. राजेश्वर एलएस कॉलेज के हिंदी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। कुलपति की अनुमति से कुलसचिव डॉ. अपराजिता कृष्णा मंगलवार को आदेश जारी किया है। कहा गया है कि तत्काल नई जिम्मेदारी ग्रहण करें।